दोस्तों ,

मै एक शराबी हु ये बात समझने मे मुझे 18 साल शराब पीनी पड़ी. क्यो कि 18 साल मेरे लिए शराबी, यानि जो शराब पीता है यानि सब पीने वाले, शराबी होते थे मगर इलाज प्रक्रिया मे आने के बाद शराबी का नया अर्थ जाना की जो पीना न भी चाहे और पी ले जो चाहकर पीने की मात्रा तय न कर पाये, पीता जाये होश खोने तक, और बुरी तरह शराब से बार-बार पीटता रहे फिर भी शराब को नियन्त्रीत रूप से पीना चाहे और जब पी न रहा हो तो दिमाग मे सिर्फ शराब के विचार ही बने रहे चाह कर शराब से दुर रहने का न सोच पाये। जी हां मै ऐसा ही था, न की सोशल ड्रिंकर जो आसानी से पीने की मात्रा तय कर लेते है आसानी से पीना बन्द कर लेते है नही पिये भी खुश रह पाते है उन्हे शराब नही भी मिले तो वो पागल नही होते, ये ही वो अन्तर था मुख्य मेरे (शराबी) और समान्य पीने वालो मे था दोस्तो आज मुझे यही समझ मिली है कि मै नियन्त्रीत शराब अब नही पी सकता। मुझे पहले प्याले से दुर रहना बहुत ही आवश्यक है और इसके लिए पुरी मदद कैसे ये सम्भव हुआ इलाज प्रक्रिया मे है, और जो इसे लेना चाहे उसके लिए सहज उपलब्ध है।

अगर आप मेरी तरह एक शराबी है तो आपका इस इलाज प्रक्रिया मे, आपका स्वागत है।

आपका

"शुभ चिन्तक मित्र",